सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 131 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 16 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

बड़ी वस्तु को देख कर छोटी वस्तु को फेंक नहीं देना चाहिए। जहां छोटी सी सुई काम आती है, वहां तलवार बेचारी क्या कर सकती है?
-रहीम दास

बुलडोजर एक्शन पर योगी सरकार को... 8 | आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव: दांव पर... 3 | यूपी में गर्मी की छुट्टियों के बाद... 7

'अग्निपथ' को लेकर देश भर में युवाओं का अग्नि प्रदर्शन

दर्जनों जगहों पर पथराव, लाटीचार्ज

» बिहार में भारी बवाल, ट्रेनों में लगाई आग, बक्सर व आरा रेलवे स्टेशनों पर तोड़फोड़, कई यात्री घायल

» लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में प्रदर्शन, नारेबाजी हरियाणा और राजस्थान में भी विरोध

» अग्निपथ योजना को लेकर विपक्ष ने भी सरकार को घेरा, कहा, युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ देश भर के युवाओं ने प्रदर्शन किया। बिहार, हरियाणा, राजस्थान और यूपी में युवा सड़क पर उतरे। बिहार में उग्र प्रदर्शनकारियों ने कई ट्रेनों में आग लगा दी। स्टेशनों पर तोड़फोड़ और पथराव किया। इसके कारण कई यात्री घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए कई स्थानों पर लाठीचार्ज किया। यूपी में लखनऊ, गोरखपुर, मथुरा और बुलंदशहर समेत कई जिलों में प्रदर्शन किया गया। यहां प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी। प्रदर्शनकारियों ने अग्निपथ भर्ती योजना को वापस लेने की मांग की। वहीं विपक्ष ने केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

बिहार के जहानाबाद, बक्सर, आरा, सहरसा, नवादा और मुंगेर में युवा उग्र हो गए। आरा और बक्सर रेलवे स्टेशनों पर जमकर तोड़फोड़ और पथराव किया। इससे कई यात्री घायल हो गए। सीवान जंक्शन के समीप सिसवन ढाला रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया। छपरा में यात्री ट्रेनों को नुकसान पहुंचाया गया। तोड़फोड़ के साथ यहां पैसेंजर ट्रेन में आग लगा दी गई। आरा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में आग लगाई गई। नवादा में विधायक अरुणा देवी की गाड़ी पर हमला किया गया। उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। उपद्रव के कारण कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर घंटों रोकना पड़ा है। उग्र प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने कई जगह लाठीचार्ज किया। विरोध प्रदर्शन में आरजेडी के कई स्थानीय नेता भी शामिल रहे। वहीं गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाइवे को जाम कर दिया गया। युवाओं का कहना है कि पिछले तीन साल से फौज में भर्ती नहीं की गई है और अब सिर्फ चार साल की भर्ती की जाएगी। राजस्थान के जयपुर और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, बुलंदशहर, मथुरा, गोरखपुर, बरेली, पीलभीत समेत कई जिलों में युवाओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने भी उठाए सवाल, कहा अपना पक्ष रखे सरकार

लखनऊ। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ट्वीट किया और पत्र भी लिखा है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना को लेकर देश के युवाओं के मन में कई सवाल हैं। युवाओं को असमंजस की स्थिति से बाहर निकालने के लिए सरकार अतिशीघ्र योजना से जुड़े नीतिगत तथ्यों को सामने रखकर अपना पक्ष साफ करे जिससे देश की युवा ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग सही दिशा में हो सके।

उन्होंने कहा कि सेना में 15 वर्ष नौकरी कर रिटायर हुए नियमित सैनिकों को भी सेवा में लेने के मामले में कॉरपोरेट जगत रूचि नहीं दिखाता है।

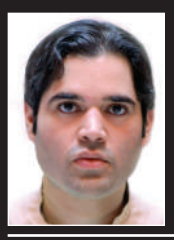

रक्षा मंत्री राजनाथ को लिखा पत्र, पूछा चार साल बाद क्या होगा अग्निवीरों का

ऐसे में चार वर्ष की अल्पसेवा के बाद इन अग्निवीरों का क्या होगा? वेतनमान कम होने से अग्निवीरों को परिवार चलाने में दिक्कत आएगी। स्पेशल ऑपरेशन के दौरान विशेष ट्रेनिंग वाले सैनिकों की जरूरत होती है, ऐसे में छह महीने की बेसिक ट्रेनिंग वाले इन सैनिकों से रेजिमेंट की बेसिक रेजिमेंटल संरचना प्रभावित हो सकती है। इस योजना में युवाओं में 75 प्रतिशत हर चार साल में बेरोजगार हो जाएंगे। यह संख्या प्रति वर्ष बढ़ेगी और असंतोष पैदा होगा। उन्होंने पत्र में उन युवाओं के बारे में भी सोचने का सुझाव दिया है जो कोरोना की वजह से दो वर्ष भर्ती न होने के कारण अपनी भर्ती वाली उम्र पार कर चुके हैं।

क्या है मामला

अग्निपथ भर्ती योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती पूरे देश से की जाएगी। चुने गए कैंडिडेट्स बतौर अग्निवीर चार साल तक सेना में सर्विस देंगे। इसके लिए 10 हफ्ते से लेकर 6 महीने तक ट्रेनिंग दी जाएगी। साढ़े 17 से 21 साल उम्र के युवा इसमें नौकरी पा सकते हैं। चार साल के बाद 75 प्रतिशत सैनिकों को कार्यमुक्त कर दिया जाएगा और आगे रोजगार के अवसर मुहैया कराने में सेना उनकी मदद करेगी। देश की सेवा कर चुके ऐसे प्रशिक्षित और अनुशासित युवाओं के लिए नौकरियां आरक्षित करने में विभिन्न कॉरपोरेशंस को भी रुचि होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस योजना का ऐलान किया था।

दूरगामी प्रभावों का आंकलन करें युवा : प्रहलाद सिंह

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रदर्शनों के बीच ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, देश के नौजवानों से आग्रह है कि वह अग्निपथ योजना के दूरगामी प्रभावों का सही आंकलन करें। यह सिर्फ नौकरी का अवसर मात्र नहीं है बल्कि नौकरी की अपेक्षा न रखनेवाले किसी भी नागरिक को अपनी सेवाएं देने का अवसर देता है और इसे कैरियर बनाने वालों को गृह मंत्रालय के निर्देश साफ है।

सैन्य भर्ती को लेकर सरकार का रवैया लापरवाह: अखिलेश

लखनऊ। अग्निपथ योजना को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट किया, देश की सुरक्षा कोई अल्पकालिक या अनौपचारिक विषय नहीं है, ये अति गंभीर व दीर्घकालिक नीति की अपेक्षा करती है। सैन्य भर्ती को लेकर जो खानापूर्ति करने वाला लापरवाह रवैया अपनाया जा रहा है, वो देश और देश के युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए घातक साबित होगा। 'अग्निपथ' से पथ पर अग्नि न हो।

युवाओं के संयम की अग्निपरीक्षा न लें प्रधानमंत्री: राहुल

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने भी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट किया, न कोई रैंक, न कोई पेंशन, न 2 साल से कोई डायरेक्ट भर्ती, न 4 साल के बाद स्थिर भविष्य, न सरकार का सेना के प्रति सम्मान। देश के बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनिए। इन्हे अग्निपथ पर चला कर इनके संयम की अग्निपरीक्षा मत लीजिए, प्रधानमंत्री जी।

सेना में नई भर्ती नीति युवाओं के भविष्य से खिलवाड़: मायावती

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, सेना में काफी लंबे समय तक भर्ती लंबित रखने के बाद अब केन्द्र ने सेना में चार वर्ष अल्पावधि वाली 'अग्निवीर' भर्ती योजना घोषित की है, उसको लुभावना व लाभकारी बताने के बावजूद देश का युवा असंतुष्ट और आक्रोशित है। वे सेना भर्ती व्यवस्था को बदलने का खुलकर विरोध कर रहे हैं। इनका मानना है कि सेना व सरकारी नौकरी में पेंशन आदि को समाप्त करने के लिए ही सरकार सेना में जवानों की भर्ती की संख्या को कमी के साथ मात्र चार साल के लिए सीमित कर रही है, जो घोर अनुचित तथा गरीब व ग्रामीण युवाओं व उनके परिवार के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

शासन की अकुशलता से रुला रही है बिजली : अखिलेश

» सपा मुखिया का योगी सरकार पर बिजली व्यवस्था को लेकर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में छाए बिजली संकट को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि इन दिनों गर्मी बुरी तरह झुलसा रही है और सरकार की अकुशलता से बिजली रुला रही है। भाजपा सरकार इन सबसे बेपरवाह अपने को महोत्सवों में व्यस्त रख रही है। दिखाने को मंत्री बदल गए हैं पर बिजली विभाग के कामकाज में कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। अखिलेश ने कहा कि बिजली व्यवस्था बेपटरी होने से जहां गांव, कस्बों और शहरों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है, वहीं उद्योग-धंधे भी प्रभावित हो रहे हैं।

कई इलाकों में जल संकट से हालात ज्यादा बिगड़ गए हैं। नागरिकों और बिजली कर्मियों में मारपीट तक हो गई है। भाजपा सरकार की प्रशासनिक अकुशलता, अदूरदर्शिता के चलते प्रदेश को बिजली संकट से गुजरना पड़ रहा है। इससे पहले भी सपा चीफ अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा था कि उत्तर प्रदेश में पांच साल सरकार चलाने के बाद अब सरकार के दिमाग की बत्ती जली कि बिजली विभाग में व्यापक सुधार की जरूरत है। बिजली विभाग के निजीकरण पर उतारू सरकार ये बताए कि जब उनके हाथ में नियंत्रण ही नहीं होगा तो सुधार लागू कैसे होंगे। भ्रष्टाचार से सांठगांठ का अंत ही हर सुधार का मूल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी के बीच बढ़ी बिजली की मांग को लेकर 2 मई को अधिकारियों के साथ बैठक की थी। यहां उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जिलों में रोस्टर के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि केंद्र सरकार की ओर से प्रदेश को हर संभव मदद मिल रही है।

भाजपा की प्रचार एजेंसियां बन गई सीबीआई-ईडी : ठाकरे

» ईडी की राहुल गांधी से पूछताछ पर भड़के आदित्य ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री आदित्य ठाकरे ने अयोध्या में कहा कि यह पवित्र भूमि हम सभी की आस्था का केंद्र है। अयोध्या से पूरे भारत की आस्था जुड़ी हुई है। ईडी और सीबीआई सिर्फ भाजपा की प्रचार एजेंसियां बनकर रह गई हैं। आदित्य ठाकरे एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। यहां बातचीत के दौरान राजनीतिक सवालों से वह यह कहकर बचते रहे कि वह नितांत धार्मिक यात्रा पर अयोध्या आए हैं। कहा कि अयोध्या हम राजनीति के लिए नहीं आए हैं, बल्कि हम अयोध्या भक्त बनकर आए हैं।

उन्होंने कहा कि 2018 में जब शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अयोध्या आए थे तो हमने पहले मंदिर फिर सरकार का नारा दिया था। इसी नारे के साथ ही माहौल बनता गया। 2019 में सुप्रीम कोर्ट से निर्णय भी आ गया और मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। मथुरा के सवाल पर कहा कि कोर्ट के निर्णय से राममंदिर का निर्माण हो रहा है, हमें खुशी है। हम इसी को आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में महाराष्ट्र सदन के निर्माण की हमारी इच्छा है। इसके लिए सीएम योगी से महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे वार्ता भी करेंगे। महाराष्ट्र सदन के निर्माण के लिए उनसे जगह मांगेंगे। आने वाले बीएमसी के चुनाव को लेकर रामलला का दर्शन कहीं उनका लकी फैक्टर तो नहीं है।

अपर्णा यादव को जान से मारने की धमकी, परिवार में मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू व भारतीय जनता पार्टी की नेता अपर्णा यादव को जान से मारने की धमकी दी गई है। यह धमकी वाट्सएप काल के जरिए उनके मोबाइल पर दी गई है। धमकी देने वाले आरोपी ने कहा है कि 72 घंटे के अंदर एके-47 से उनकी हत्या कर देंगे। धमकी के बाद पूरा परिवार सदमे में है। अपर्णा के पीएसओ ने गौतमपल्ली थाने में इस संबंध में मोबाइल नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। आलाधिकारियों के निर्देश पर सर्विलांस समेत पुलिस की कई टीमें धमकी देने वाले की तलाश में लगी हैं।

पुलिस की पड़ताल में पता चला है कि भाजपा नेता को वाट्सएप पर जिस नंबर से काल आई थी वह अज्ञात थी। पुलिस फोन पर आए नंबर और फोन करने वाले की तलाश में जुट गई है। आठ विक्रमादित्य मार्ग पर रहने वाले सरकारी पीएसओ दिलीप सिंह ने गौतमपल्ली थाने में तहरीर देकर बताया कि बुधवार शाम अपर्णा यादव के नंबर पर पहले एक मिस्ड काल आयी, जो वह उठा नहीं पायीं। उसके बाद वाट्सएप काल आयी। फोन रिसीव किया गया तो फोन करने वाले व्यक्ति ने धमकी देते कहा कि तीन दिन के अंदर एके-47 से तुम्हारी हत्या कर दूंगा। इस बात को गंभीरता से लो और नोट कर लो। फिर उसने अपशब्द कहे और फोन काट दिया। पीएसओ ने मामले की जानकारी पुलिस अधिकारियों और गौतमपल्ली थाने को दी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने अपर्णा से घटनाक्रम का सारा ब्योरा लिया। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने किसी रंजिश से इनकार किया है।

चुनाव से पूर्व दंगा कराना चाहता था विपक्ष : स्वतंत्र देव

» जल शक्ति मंत्री ने अखिलेश पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश विधानसभा चुनाव से पूर्व प्रदेश में दंगा कराना चाहते थे, लेकिन योगी नेतृत्व में उनकी ये मंशा नाकाम रही, योगी ने उन्हें सबक सिखाया। स्वतंत्र देव शहर के नार्मल स्कूल के मैदान पर गरीब कल्याण जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हर तरफ कमल खिला। मोदी ने आठ साल में एक भी छुट्टी नहीं ली। उन्होंने देश को नई दिशा दी है। अब हिंदू मुस्लिम आपस में नहीं लड़ेंगे। दोनों मिलकर गरीबी से लड़ेंगे। देश व प्रदेश के विकास में साथ रहेंगे।

शिकायत निस्तारण में ढिलाई बरतने वालों पर करें कठोर कार्रवाई : शर्मा

» ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जहां कार्यों व शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं प्रदेश स्तरीय मामलों के समाधान के लिए सीधे उपभोक्ताओं से वर्चुअल संवाद करके उनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया। ऊर्जा मंत्री ने विभाग में गुड गवर्नेंस को स्थापित करने के लिए 'संभव' नामक व्यवस्था लागू की। इसे और प्रभावी बनाने व इसके प्रयोग की सफलता की दूसरी बार समीक्षा की।

उन्होंने अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता व प्रबंध निदेशक स्तर पर अब तक चार बार की गई जनसुनवाई की मानिटरिंग की। मंत्री ने बताया कि जिला, सर्किल व डिस्काम स्तर पर हुई जनसुनवाई में अब तक 5982 शिकायतें मिलीं, जिसमें से 4987 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 1000 शिकायतें निस्तारण के लिए प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर इतनी बड़ी संख्या में शिकायतों का समाधान होना, क्रांतिकारी कदम है। ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश में विद्युत की ट्रिपिंग, अनियमित आपूर्ति व जल रहे ट्रांसफार्मरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गुड गवर्नेंस के लिए जरूरी है कि शेड्यूल के अनुरूप उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति हो। लोगों को एक तय समय पर बिजली मिले। इसके लिए शटडाउन का समय सुबह 9 से 10 बजे के बीच और शाम को 5 से 6 बजे के बीच हो। मंत्री शर्मा ने राज्य स्तरीय जनसुनवाई में उपभोक्ताओं के विभिन्न शिकायतों को सुना और उनका समाधान किया।

निशक्त संतान की आय कम तो जीवनभर पेंशन देगी यूपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने राज्य सरकार के सेवानिवृत्त या मृत कर्मचारियों व पेंशनरों की मानसिक या शारीरिक निशक्तता से ग्रस्त संतान को पारिवारिक पेंशन के संबंध में आय के मानदंड तय किए हैं। जारी शासनादेश में कहा गया है कि दिवंगत सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी की निशक्त संतान जीवन भर पारिवारिक पेंशन की हकदार होगी। यदि निशक्त संतान की समग्र आय साधारण दर पर स्वीकार्य पारिवारिक पेंशन व उस पर स्वीकार्य महंगाई राहत से कम है तो उसे यह लाभ मिलेगा।

ऐसे मामलों में वित्तीय लाभ इस शासनादेश के जारी होने की तिथि से देय होगा और सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी या पूर्व पेंशनभोगी की मृत्यु की तारीख से शुरू होने वाली अवधि के लिए कोई बकाया स्वीकृत नहीं होगा। उधर, स्वास्थ्य विभाग अब आबादी क्षेत्र में जमीन खरीद कर नया अस्पताल बना सकेगा। यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीन अस्पताल के लिए दान करता है तो संबंधित अस्पताल का नामकरण उसके या उसके परिजन के नाम पर किया जा सकेगा। इस संबंध में नई नियमावली बनाई गई है। इस नियमावली को कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई है।

आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव : दांव पर सपा की प्रतिष्ठा, एमवाई समीकरण की होगी परीक्षा

» बसपा भी मुस्लिमों को रिझाने में जुटी, शिवपाल की नाराजगी भी सपा पर पड़ सकती है भारी

» दिनेश लाल यादव निरहुआ को मैदान में उतार यादव वोटों में सेंधमारी की तैयारी में भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में सपा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। यहां सपा के मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण को चुनौती मिलती दिख रही है। यहां जहां भाजपा दिनेश लाल यादव निरहुआ के जरिए यादव वोटों को अपनी ओर करने में लगी है वहीं बहुजन समाज पार्टी मुस्लिमों को रिझाने में जुटी है। ऐसे में सपा मुखिया अखिलेश यादव के लिए बड़ी चुनौती है। यहां उनके सामने दोहरी चुनौती है। पहला मुस्लिम-यादव वोट बैंक को सेंधमारी से बचाए रखना है दूसरा यह साबित करना है कि धर्मेंद्र यादव को बदायूं से आजमगढ़ लाकर लड़ाने का निर्णय सही था।

आजमगढ़ सपा का मजबूत गढ़ रहा है। यहां सपा लंबे समय से जीतती रही है पर इस बार चुनौती अलग तरह की है। हालांकि इस बार के विधान सभा चुनाव में सपा ने सभी 10 सीटें भाजपा लहर में जीत ली थीं। यहां एमवाई समीकरण भी सपा के पक्ष में रहता है। मुलायम सिंह यादव को जनता जिता चुकी है और अखिलेश यादव को भी। अब सैफई परिवार का तीसरा सदस्य सपा की ओर से मैदान में है। यहां उन्हें चुनौती देने के लिए एक बार फिर भाजपा से दिनेश लाल यादव निरहुआ मैदान में हैं। आजमगढ़ में यादव भारी तादाद में हैं। यहां उनके एकमुशत वोट के लिए धर्मेंद्र यादव दिनेश यादव दोनों जूझ रहे हैं। पिछली बार के लोक सभा चुनाव में उन्होंने अखिलेश यादव को कड़ी टक्कर दी थी। मुलायम सिंह यादव जब 2014 का लोकसभा चुनाव आजमगढ़ से लड़े थे तो उन्हें टक्कर देने के लिए भाजपा से रमाकांत यादव (अब सपा विधायक) व बसपा से गुडडू जमाली थे। चुनाव प्रचार के वक्त मुलायम को खतरे का अहसास हुआ तो उन्होंने शिवपाल यादव को आजमगढ़ में कैंप करने को कहा। उनके पहुंचने से सपा की स्थिति बिगड़ने से पहले संभल गई। मुलायम भारी मतों से जीत चुके थे। अब शिवपाल की सपा से दूरी बढ़ती जा रही है। सपा ने उन्हें स्टार प्रचारक की सूची से बाहर कर रखा है। ऐसे में शिवपाल की अपील मायने रखेगी। वह अपने लोगों को किधर वोट करने का संकेत करेंगे इसको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। पर इससे सपा को नुकसान तो होगा ही।

ध्रुवीकरण हुआ तो इनको होगा फायदा

यूं तो मुस्लिम मतदाताओं में पैठ बनाने के लिए आजमगढ़ के प्रभावशाली नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली खासी मेहनत कर रहे हैं। बसपा के प्रत्याशी के तौर पर वह खासे सक्रिय हैं तो सपा ने महाराष्ट्र से अपने नेता अबु आजमी को प्रचार में उतार रखा है। अबु आजमी अब यहां नूपूर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग कर चुनावी माहौल गर्मा रहे हैं। नूपूर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग के पोस्टर लग गए अगर इस मुद्दे पर वोटों का ध्रुवीकरण हुआ तो फायदा भाजपा व सपा को होगा।

दिलचस्प होगा मुकाबला

यूं तो लोक सभा व विधान सभा के उपचुनाव के नतीजे सत्ता पक्ष की ओर जाते हैं। इसकी वजह यह है कि जनता सोचती है एक सीट से सरकार तो बदलनी नहीं है। अमुमन सत्ता पक्ष ही जीतता है पर पिछली गोरखपुर व फूलपुर के लोक सभा उपचुनाव में विपक्षी सपा ने जीत दर्ज की थी। वह अप्रत्याशित नतीजे थे। इस बार आजमगढ़ किस राह चलेगा यह देखना होगा। वैसे मुकाबला दिलचस्प होगा।

आजम की सियासत को आगे बढ़ाते नजर आ रहे अब्दुल्ला!

बेटे को विरासत सौंपने के लिए आजम खां लगातार अखिलेश को कर रहे मजबूत

» समाजवादी पार्टी में पहली बार चमका अब्दुल्ला का चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा में आजम खां का जलवा बरकरार है। राज्य सभा के बाद विधान परिषद सदस्यों के चयन में भी उनका पलड़ा भारी दिखा। उनके लिए पार्टी हाईकमान ने गठबंधन को भी दरकिनार करने में गुरेज नहीं किया। एमएलसी चुनाव में 50 फीसदी हिस्सेदारी मुस्लिमों को दी है। इसके जरिए विधान सभा चुनाव के दौरान दिखाई गई एकजुटता का अहसान चुकाया गया है और यह संदेश भी दिया कि अल्पसंख्यक समुदाय का हित सपा के साथ है। सपा ने रालोद के जयंत चौधरी, कपिल सिब्बल और जावेद अली को राज्य सभा भेजा है।

कपिल सिब्बल का नाम आजम खां की पैरवी को लेकर जोड़ा जा रहा है तो जावेद अली को अल्पसंख्यक समुदाय की नुमाइंदगी के तौर पर देखा जा रहा है। विधान परिषद सदस्यों के चयन को लेकर कई चरणों में मंथन चला। चार सदस्यों में सबसे पहले स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम तय हुआ। फाजिल नगर से विधान सभा चुनाव हारने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के जरिए पिछड़े वर्ग को साधा गया है क्योंकि कई चहेतों को टिकट दिलवाने में असफल होने पर स्वामी प्रसाद मौर्य नाराज थे। वहीं यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी में पिछड़ों के हितों की अनदेखी नहीं होगी। इसके अलावा तीन अन्य एमएलसी भी अब सपा का वोट बैंक मजबूत करेंगे। खासकर इसमें दो तो मुस्लिम वोट पर कड़ी निगरानी करेंगे। वहीं दूसरी बार विधायक चुने गए आजम खां के सुपुत्र अब्दुल्ला आजम का चेहरा पहली बार चमकता हुआ नजर आया। वह शपथ ग्रहण करने के बाद अखिलेश से मिले थे। अखिलेश के साथ विधान सभा पहुंचे और नामांकन के वक्त सपा अध्यक्ष के बगल वाली कुर्सी पर बैठे थे, अन्य विधायक खड़े रहे। ऐसे में संदेश साफ है कि आजम खां की सियासत को अब्दुल्ला आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। वहीं बेटे को विरासत सौंपने के लिए आजम खां लगातार अखिलेश को मजबूत कर रहे हैं ताकि उनके न रहने पर अब्दुल्ला रामपुर की पहचान बन सके।

अल्पसंख्यकों को 50 फीसदी हिस्सेदारी देकर भविष्य की एकजुटता बनाए रखने का दिया संदेश

सियासी जानकारों का कहना है कि सहारनपुर के शाहनवाज खां और सीतापुर के जासमीर अंसारी को एमएलसी बनाकर एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। अल्पसंख्यकों को 50 फीसदी हिस्सेदारी देकर भविष्य की एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया है तो एक खान और दूसरे अंसारी समुदाय के जरिए उनके बीच उठने वाले अगड़े व पिछड़े की खाई भी पाटी गई है। आजमगढ़ लोक सभा क्षेत्र में अंसारी समुदाय की बहुलता का भी ध्यान रखा गया है। अहम बात यह है कि यह दोनों आजम खां के खासमखास हैं। शाहनवाज के पिता सरफराज खां पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और आजम खां से उनकी दोस्ती जगजाहिर है। पूर्व विधायक जासमीर अंसारी ने आजम खां की सीतापुर जेल में रहने के दौरान सहयोग किया था।

अधूरी रही गठबंधन दलों की हसरत

सपा गठबंधन में शामिल सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर के बेटे का नाम एमएलसी के लिए सुर्खियों में रहा। उन्होंने निरंतर प्रयास किया लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने सीटें कम होने का हवाला देकर दरकिनार कर दिया। इसी तरह महान दल और राष्ट्रीय जनवादी पार्टी को भी कोई सीट नहीं दी। ऐसे में सुभासपा ने ट्विटर पर नाराजगी जताई है तो महान दल ने गठबंधन तोड़ लिया है।

अब्दुल्ला कर रहे जनसभाएं

आजम खां ने अपने ही इस्तीफे से रिक्त रामपुर सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए प्रचार तेज कर दिया है जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला आजम ने भी सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए जोर लगा दिया है। स्वार सीट से विधायक अब्दुल्ला ने कहा है कि इस चुनाव में बहुत कुछ सोच समझकर वोट करना होगा। आप किसके कितने खिलाफ हैं यह इसी चुनाव में तय होगा। सपा प्रत्याशी आसिम राजा के समर्थन में चुनाव प्रचार की कमान आजम खान द्वारा थाम लिए जाने के बाद उनके बेटे अब्दुल्ला ने कहा कि जो हालात मुल्क के हैं, आपके सूबे के हैं और जिस तरह से नफरत और दहशत का माहौल बनाया जा रहा है ऐसे में आप उसके कितने खिलाफ हैं यह चुनाव तय करेगा। जिस तरह से भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है, जिस तरह से पुलिस की ज्यादतिया मुरादाबाद, सहारनपुर और इलाहाबाद में सामने आई हैं, वो इंसानियत के चेहरे पर ऐसा बदनुमा दाग हैं, जिसकी तस्वीरें दुनिया तक रहेंगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फसलों की विविधता पर फोकस के मायने

जलवायु परिवर्तन और दुनिया में गहराते अनाज संकट को देखते हुए भारत सरकार ने अपने कृषि नीति में बदलाव किया है। सरकार न केवल मोटे अनाज व तिलहन-दलहन के उत्पादन में वृद्धि पर फोकस कर रही है बल्कि किसानों को कम सिंचाई वाली फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही है। हाल में 14 फसलों पर सरकार की ओर से जारी न्यूनतम समर्थन मूल्य इसकी पुष्टि करते हैं। सरकार का मानना है कि मोटे अनाज व तिलहन-दलहन के उत्पादन में वृद्धि से न केवल छोटे किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि इससे खाद्य तेलों में भारत आत्मनिर्भर हो सकेगा। वहीं खाद्यान्न की कमी भी नहीं होगी। सवाल यह है कि क्या किसान फसल विविधीकरण के सरकार के फॉर्मूले को अपनाएंगे? क्या इससे छोटे जोत के किसानों की आमदनी बढ़ेगी? क्या कम सिंचाई वाली फसलों से देश के भूगर्भ जल में लगातार हो रही गिरावट को रोका जा सकेगा? क्या मौसम के उतार-चढ़ाव में मोटे अनाजों का उत्पादन खाद्यान्न संकट को रोकने में सफल होगा? देश की अर्थव्यवस्था पर इसका कितना असर पड़ेगा? क्या खाद्य तेल में भारत आत्मनिर्भर हो सकेगा?

भारत कृषि प्रधान देश रहा है। कोरोना काल में कृषि ने देश की अर्थव्यवस्था को संभाले रखने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं यह भी सच है कि किसानों को आज भी फसल का वाजिब मूल्य नहीं मिल पा रहा है। वे बाजार की मांग-आपूर्ति और बिचौलियों के कुचक्र में पिस रहे हैं। हालांकि किसानों को राहत देने के लिए सरकार कई फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देती है और इस मूल्य पर किसानों से उनकी उपज भी खरीदती है। किसानों की आय बढ़ाने और मानसून के उलट-फेर को देखते हुए सरकार ने कृषि में फसलों के विविधीकरण को प्रोत्साहित करना शुरू किया है। यही वजह है कि खरीफ की जिन 14 फसलों की 17 किस्मों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है उसमें धान, ज्वार, बाजारा, रागी, मक्का, तुअर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, तिल, रामतिल, कपास शामिल हैं। इसमें अधिकांश फसलों को कम सिंचाई की जरूरत पड़ती है। वहीं खाद्य तेलों में देश को आत्मनिर्भर बनाने की भी कोशिश हो रही है। सरकार प्रति वर्ष एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का खाद्य तेल आयात करती है। यही वजह है कि सरकार सूरजमुखी बीज की एमएसपी में 56 फीसदी, सोयाबीन में 53 फीसदी व मूंगफली की एमएसपी में 51 फीसदी की वृद्धि की है। जाहिर है यदि फसलों के विविधीकरण का प्रयोग हुआ तो न केवल खाद्य तेलों में भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। वहीं भूमिगत जल स्तर में गिरावट भी थमेगी।

सवाल यह है कि क्या किसान फसल विविधीकरण के सरकार के फॉर्मूले को अपनाएंगे? क्या इससे छोटे जोत के किसानों की आमदनी बढ़ेगी? क्या कम सिंचाई वाली फसलों से देश के भूगर्भ जल में लगातार हो रही गिरावट को रोका जा सकेगा? क्या मौसम के उतार-चढ़ाव में मोटे अनाजों का उत्पादन खाद्यान्न संकट को रोकने में सफल होगा?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक लाभ-हानि के खेल में उलझा मुद्दा

अमलेंदु भूषण

भारत में पहली बार जातिगत जनगणना 1901 में ब्रिटिश शासन के जनगणना आयुक्त लार्ड रिसेल की अगुआई में की गई थी। 1931 के जातिगत जनगणना की खामियों को लेकर डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इसका तीव्र विरोध किया था। अंबेडकर ने अपने शोधपत्र में लॉर्ड रिसेल के 1901 व 1931 के जाति आंकड़े को नकार दिया था। डॉ. अंबेडकर ने लिखा, अगर ब्राह्मण आर्यन है तो दलित भी आर्यन हैं। आजाद भारत में जातिगत जनगणना की मांग सबसे पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने की थी। बिहार के साथ ओडिशा भी विधान सभा में जातिगत जनगणना का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर चुका है। महाराष्ट्र सरकार पहले ही विधान सभा में सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इससे पहले 2011 की जनगणना में तत्कालीन उत्तर प्रदेश की सरकार ने सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) करने का फैसला किया था जो सिरे नहीं चढ़ पाया।

आजादी के बाद भारत सरकार ने 1951 में पहली जनगणना के समय ही तय कर लिया था कि एससी और एसटी के अलावा अन्य जातियों से संबंधित सूचनाओं को जनगणना का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। देश में आखिरी बार जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी। उस समय पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भारत का हिस्सा थे। तब देश की आबादी 30 करोड़ के करीब थी। अब तक उसी आधार पर यह अनुमान लगाया जाता रहा है कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं। 1951 में जातीय जनगणना के प्रस्ताव को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने यह कहकर खारिज कर दिया था कि इससे देश का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ सकता है। 1951 से 2011 तक की हर जनगणना में सिर्फ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़े ही जारी किए गए। मंडल आयोग ने भी 1931 के आंकड़ों पर अनुमान लगाया था कि ओबीसी आबादी 52 फीसदी है, जिसके तहत ओबीसी को 27 फीसदी, अनुसूचित जाति को 15 फीसदी और अनुसूचित जनजाति को 7.5 फ़ीसदी आरक्षण मिलता है। यद्यपि जातिविहीन समाज एवं स्वराज्य में सभी वर्गों और वर्णों की समान हिस्सेदारी की गूंज आजादी के संग्राम में सुनाई देने लगी थी। जातिगत जनगणना की मांग ने तब से रफ्तार पकड़नी शुरू की, जब 1980 के दशक से जाति-आधारित कई क्षेत्रीय दलों का जन्म हुआ। इसकी वजह से सरकारी नौकरियों और सरकारी संस्थानों में दाखिले में अन्य

पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की मांग ने भी जोर पकड़ना शुरू कर दिया। 1979 में केंद्र सरकार ने इन जातियों की पहचान के लिए एक आयोग का गठन किया ताकि इन्हें विशेष सरकारी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। सांसद बीपी मंडल की अगुवाई में यह आयोग बना। इसने अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। 1990 में वीपी सिंह की सरकार में इन सिफारिशों को मंजूर कर लिया गया। खासकर जाति आधारित क्षेत्रीय दलों को लगता है कि अन्य पिछड़ी जातियों की आबादी अनुमानित 52 फीसदी से ज्यादा है। वह इसीलिए जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि यह आंकड़ा ज्यादा होने पर वह केंद्रीय नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए ओबीसी के लिए तय 27 फीसदी आरक्षण के कोटे को बढ़ाने की मांग कर सकें। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहली बार सितंबर, 2021 में जाति जनगणना के सवाल पर डटे रहने की वकालत तब की थी जब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया था कि वह न तो जाति जनगणना करवाएगी और न ही 2011 की जनगणना के दौरान इकट्ठे किए गए आंकड़े सार्वजनिक करेगी। केंद्र सरकार के हठ के बाद नीतीश कुमार बिहार विधान सभा से दो बार प्रस्ताव पारित कर चुके हैं। नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना की मांग ऐसे वक्त उठायी है जब भाजपा और केंद्र में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष की गतिविधियां तेज हैं। बिहार के राजनीतिक हालात को देखें तो जेडीयू को आरजेडी से पिछड़ने का डर है क्योंकि पिछड़ों की सियासत करने वाली आरजेडी इस मसले पर शुरू से मुखर है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि एक बार विभिन्न जातियों और उपजातियों की संख्या के आंकड़े बाहर आ गए तो उस आधार पर अलग-अलग समूहों की ओर से आरक्षण की मांगें जोर पकड़ने लगेंगी, जिनसे निपटना सरकार के किए आसान काम नहीं होगा। दरअसल जातिगत जनगणना की मांग की जड़ में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व राजनीतिक स्वार्थ है। भाजपा की राजनीति हिंदुत्व के मुद्दे पर टिकी है। अगर जाति के नाम पर हिंदू विभाजित हो जाता है तो जाति की राजनीति करने वाले दलों का प्रभाव बढ़ जाएगा और भाजपा को नुकसान होगा।

वैश्विक मंदी के बावजूद निवेश की उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

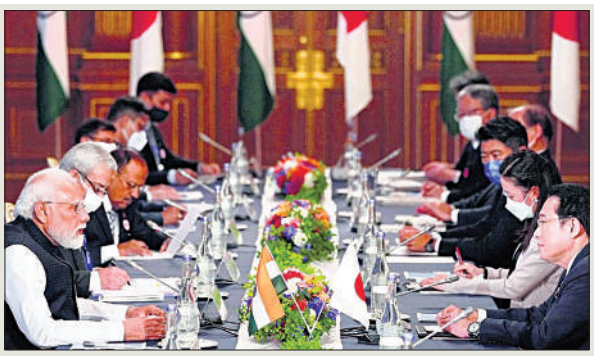

यकीनन वैश्विक मंदी की चुनौतियों का भारत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। 13 जून को भारत के शेयर बाजार में भी बड़ी गिरावट दिखी। बैंचमार्क सेंसेक्स गोता लगाकर 52,846 अंकों पर बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया 78 के पार चला गया लेकिन फिर भी दुनिया के आर्थिक और वित्तीय संगठनों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था दूसरे देशों की तुलना में गतिशील बनी हुई है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग नकारात्मक से उन्नत करके स्थिर की है। खास बात यह भी है कि चुनौतियों के बीच भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश का सुकूनदेह परिदृश्य उभरता दिखायी दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की रिपोर्ट 2022 के अनुसार भारत की एफडीआई रैंकिंग पिछले वर्ष 2021 में एक पायदान चढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गई है। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 83.57 अरब डॉलर का रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त किया है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में एफडीआई प्रवाह की नई संभावनाएं बढ़ी हैं।

सवाल है कि जब पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में विश्व की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट रही है, इसके बावजूद विदेशी निवेशकों द्वारा भारत को एफडीआई के लिए प्राथमिकता क्यों दी गई है? तो हमारे सामने कई चमकीले तथ्य उभरकर सामने आते हैं। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की 8.7 फीसदी की सर्वाधिक विकास दर, देश में छलांगें लगाकर बढ़ रहे यूनिकॉर्न, 31.45 करोड़ टन का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, बढ़ता विदेश व्यापार, नए प्रभावी व्यापार समझौते, 600 अरब डॉलर से अधिक के विदेशी मुद्रा भंडार आदि के कारण एफडीआई तेजी से बढ़े हैं। भारत में निवेश पर बेहतर रिटर्न हैं। वहीं सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए किए गए कई ऐतिहासिक सुधार भी हैं।

स्पष्ट है कि कोरोना महामारी से लेकर अब तक ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन एजुकेशन तथा वर्क फ्रॉम होम की प्रवृत्ति, बढ़ते इंटरनेट के उपयोगकर्ता व सरकारी सेवाओं के डिजिटल होने से अमेरिकी टेक कंपनियों सहित दुनिया की कई कंपनियां भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि तथा रिटेल सेक्टर के ई-कॉमर्स बाजार की संभावनाओं को हासिल करने के लिए निवेश के साथ आगे बढ़ी हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी नीति के कारण मार्च से लेकर मई 2022 तक चीन के कई शहरों में आंशिक अथवा पूर्ण लॉकडाउन के कारण चीन में विकास दर घट गई है। ऐसे में चीन में कार्यरत कई कंपनियां चीन से अपना कारोबार और निवेश समेट कर जिन विभिन्न देशों का रुख कर रही हैं, उनमें भारत भी पहली पंक्ति में है। अब चालू वित्त वर्ष 2022-23 में और अधिक प्रभावी कारणों से एफडीआई बढ़ने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। 23 मई को टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों एवं सीईओ के साथ गोलमेज बैठक में कहा था कि वैश्विक एफडीआई में मंदी के बावजूद भारत रिकॉर्ड विदेशी निवेश प्राप्त कर रहा है। भारत निवेश अनुकूल अवसरों, आर्थिक सुधारों, नवाचार और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश है। मोदी ने भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता भागीदारी, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइप लाइन, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना और सेमीकंडक्टर नीति जैसी पहलों और भारत के मजबूत स्टार्टअप परिवेश पर भी प्रकाश डाला। मार्च, 2022 में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में 5,000 अरब जापानी येन के निवेश का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इस गोलमेज बैठक के बाद जापान की कंपनियों और निवेशकों से भारतीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, वित्त और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। 24 मई को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक मंच क्वाड के सम्मेलन में बुनियादी ढांचे पर 50 अरब डॉलर से अधिक रकम लगाने का वादा किया है, उससे क्वाड भारत के उद्योग-कारोबार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई द्विपक्षीय बैठकों के साथ अमेरिका की अगुवाई में बनाए गए 13 देशों के संगठन हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क में भारत को भी शामिल किया गया है, उससे भारत आईपीईएफ देशों के लिए विनिर्माण, आर्थिक गतिविधि, वैश्विक व्यापार और नए निवेश का महत्वपूर्ण देश बन सकता है। इसी वर्ष यूरोपीय देशों के साथ किए गए आर्थिक समझौतों और नए मुक्त व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से जहां भारत का विदेश व्यापार बढ़ेगा वहीं भारत में विदेशी निवेश भी बढ़ेगा। इतना ही नहीं, जिस तरह से भारत की हरित ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के संबंध में सकारात्मक परिदृश्य दुनिया में आगे बढ़ रहा है, उससे भी एफडीआई का प्रवाह भारत की ओर बढ़ रहा है। इस समय देश के लिए एफडीआई प्राप्त करने में कृषि क्षेत्र की भी अहम भूमिका है। दुनियाभर में भारत द्वारा उपलब्ध कराई गई खाद्य सुरक्षा का स्वागत किया जा रहा है, जिसमें कृषि क्षेत्र में भी विदेशी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। यदि हम चालू वित्त वर्ष 2022-23 में पिछले वित्त वर्ष के तहत प्राप्त 83.57 अरब डॉलर के एफडीआई से अधिक की ऊंचाई चाहते हैं तो एफडीआई नीति को और अधिक उदार बनाया जाए। जरूरी होगा कि देश में लागू किए गए आर्थिक सुधारों को तेजी से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाया जाए।

लू को ऐसे करें छू...

गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों खिलाड़ियों बच्चों, बूढ़े और बीमारों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें। लू से बचे रहेंगे तो फायदे में ही रहेंगे।

लू लगने पर शरीर का तापमान एकदम बहुत बढ़ जाता है। गर्मी की वजह से शरीर में पानी और नमक की ज्यादा कमी होने पर लू लगने की आशंका होती है। तेज धूप और गर्मी में नंगे बदन रहने वालों, बिना छाते या सिर को बिना ढके धूप में घूमने वालों, टीन से बने घरों में रहने वालों, तेज आग के सामने काम करने वालों, खेतों में काम करने वालों, खुली धूप में आने-जाने व काम करने वालों, लो इम्युनिटी वालों, शारीरिक रूप से कमजोरों, बच्चों, बुजुर्गों, रों, ज्यादा एक्सरसाइज करने वालों और कम पानी पीने वाले लोगों को अक्सर लू लग जाती है। जब शरीर का थर्मोस्टेट सिस्टम यानी शरीर का तापमान कंट्रोल करने वाला सिस्टम शरीर को ठंडा रखने में नाकाम हो जाता है तो शरीर में गर्मी भर जाती है और पानी किसी-न-किसी रूप में शरीर से बाहर निकल जाता है। इससे शरीर की ठंडक कम हो जाती है और लू लग जाती है।

कैसे लग जाती है लू

क्या होता है लू लगने पर

लू लगने पर शरीर में गर्मी, खुश्की और थकावट महसूस होने लगती है। मसल्स में खिंचाव लगता है, शरीर टूटने लगता है और प्यास बढ़ जाती है। कई बार बुखार बहुत ज्यादा बढ़ जाता है जैसे कि 105 या 106 डिग्री फॉरेनहाइट। यह इमरजेंसी की स्थिति होती है, जिसमें ब्लडप्रेशर भी लो हो जाता है और लिवर-किडनी में सोडियम पोटैशियम का बैलेंस बिगड़ जाता है। ऐसे में बेहोशी भी आ सकती है। इसके अलावा, बीपी लो, ब्रेन या हार्ट स्ट्रोक की स्थिति भी बन सकती है। ठीक वक्त पर इलाज न कराया जाए तो मौत भी हो सकती है।

क्या-क्या हैं लक्षण

बेहोशी आना, तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, उलटी आना, चक्कर आना, दस्त, सिरदर्द, शरीर टूटना, बार-बार मुंह सूखना और हाथ-पैरों में कमजोरी आना या निढाल होना लू लगने के लक्षण हैं। लू लगने पर काफी पसीना आ सकता है या एकदम पसीना आना बंद भी हो सकता है।

लू लगने पर क्या करें

सबसे पहले मरीज को ठंडी और छायादार जगह में बिठाएं, कपड़े ढीले कर दें, पानी पिलाएं और ठंडा कपड़ा उसके शरीर पर रखें। शरीर के तापमान को कम करने की कोशिश करें। लू लगने पर ऐसा करना सबसे जरूरी है। लगातार तरल पदार्थ देकर उसके शरीर में पानी की कमी न होने दें। उसके हाथ-पैरों की हल्के हाथों से मालिश करें। तेल न लगाएं। नमक व चीनी मिला हुआ पानी, शर्बत आदि दें। गुलाब जल में रुई भिगोकर आंखों पर रखें। फिर भी आराम न आए तो डॉक्टर के पास ले जाएं।

लू लगने पर खानपान

बेल या दूसरी तरह के शर्बत और जौ का पानी दें। खिचड़ी ले सकते हैं। तलवों, हथेलियों व माथे पर चंदन का लेप और सिर पर मेहंदी लगाएं। बाहर का खाना न खाएं। घर में भी परांठा, पूड़ी-कचौड़ी आदि तला-भुना न खाएं। नीबू पानी और इलेक्ट्रॉल पीते रहें। शुगर के मरीज बिना चीनी का शर्बत और ठंडाई लें। आधा दूध और आधा पानी मिलाकर लस्सी पीएं।

कैसे करें बचाव

कुछ सावधानियां बरत लो तो गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। ये हैं उपाय

- तेज गर्म हवाओं में बाहर जाने से बचें। नंगे बदन और नंगे पैर धूप में न निकलें।
- घर से बाहर पूरे और ढीले कपड़े पहनकर निकलें, ताकि उनमें हवा लगती रहे।
- ज्यादा टाइट और गहरे रंग के कपड़े न पहनें।
- सूती कपड़े पहनें। सिंथेटिक, नायलॉन और पॉलिएस्टर के कपड़े न पहनें।
- खाली पेट बाहर न जाएं और ज्यादा देर भूखे रहने से बचें।
- धूप से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल करें। इसके अलावा सिर पर गीला या सादा कपड़ा रखकर चलें।
- चश्मा पहनकर बाहर जाएं। चेहरे को कपड़े से ढक लें।
- घर से पानी या कोई ठंडा शरबत पीकर निकलें, जैसे आम पना, शिकंजी, खस का शर्बत आदि। साथ में भी पानी लेकर चलें।
- बहुत ज्यादा पसीना आया हो तो फौरन ठंडा पानी न पीएं। सादा पानी भी धीरे-धीरे करके पीएं।
- रोजाना नहाएं और शरीर को ठंडा रखें।
- घर को ठंडा रखने की कोशिश करें। खस के पर्दे, कूलर आदि का इस्तेमाल करें।
- बाजार से कटे हुए फल न लें।

हंसना मना है

मंटू - कल मैंने रॉकेट छोड़ा तो सीधे सूरज से जा टकराया. घंटू - क्या बात कर रहा है? फिर क्या हुआ? मंटू - फिर क्या? मेरी पिटाई हुई. घंटू - किसने मारा? मंटू - सूरज की मम्मी ने...

एक लड़का भागते हुए लड़की के पास आया और बोला- मैं तुमसे दोस्ती करना चाहता हूं... लड़की- तो हमारी दुश्मनी कब थी भैया? लड़का बेहोश.

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त- क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, ये बावली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गई है.

शराबी- एटीएम में पैसे हैं क्या? गार्ड- हां हैं. शराबी- निकाल लूं? गार्ड- हां, निकाल लो शराबी- लाओ, पेंचकस है क्या, आज सारा कैश निकाल लूंगा. गार्ड बेहोश...

मंटू डॉक्टर के पास मेडिकल चेकअप करवाने गया. डॉक्टर ने मंटू का पूरा चेकअप किया फिर बोला-बहुत दुख भरी खबर है. आपकी एक किडनी ?ेल हो गई है. यह सुनकर मंटू रोने लगा बहुत ही रोया. डॉक्टर ने काफी समझाया, तब जाकर कहीं शांत हुआ. फिर बोला- ये तो बता दीजिये डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर से फेल हुई?

कहानी | धार्मिक ग्रंथ

एक दिन बादशाह अकबर ने बीरबल से पूछा - तुम्हारे धर्मग्रंथों में यह लिखा है कि हाथी की गुहार सुनकर श्रीकृष्ण जी पैदल दौड़े थे। न तो उन्होंने किसी सेवक को ही साथ लिया न ही किसी सवारी पर ही गये। इसकी वजह समझ में नहीं आती। क्या उनके सेवक नहीं थे? बीरबल बोले - इसका उत्तर आपको समय आने पर ही दिया जुआ सकेगा जहांपनाह। कुछ दिन बीतने पर एक दिन बीरबल ने एक नौकर को जो शहजादे को इधर-उधर टहलाता था, एक मोम की बनी मूर्ति दी जिसकी शक्ल बादशाह के पोते से मिलती थी। मूर्ति अच्छी तरह गहने-कपड़ों से सुसज्जित होने के कारण दूर से दिखने में बिल्कुल शहजादा मालूम होती थी। बीरबल ने नौकर को अच्छी तरह समझा दिया कि उसे क्या करना है। जिस तरह तुम रोज बादशाह के पोते को लेकर उनके सम्मुख जाते हो ठीक उसी तरह आज मूर्ति को लेकर जाना और बाग में जलाशय के पास फिसल जाने के बहाना कर गिर पड़ना। तुम सावधानी से जमीन पर गिरना, लेकिन मूर्ति पानी में अवश्य गिरनी चाहिए। यदि तुम्हें इस कार्य में सफलता मिली तो तुम्हें इनाम दिया जायेगा। एक दिन बादशाह बाग में बैठे थे। वहीं एक जलाशय था। नौकर शहजादे को खिला रहा था कि अचानक उसका पांव फिसला और उसके हाथ से शहजादा छूटकर पानी में जा गिरा। बादशाह यह देखकर घबरा गया और जलाशय की तरफ लपक पड़ा। कुछ देर बाद मोम की मूर्ति को लिए पानी से बाहर निकला। बीरबल भी उस वक्त वहां उपस्थित थे वे बोले- जहांपनाह, आपके पास सेवक और कनीजों की फौज है फिर आप स्वयं और वह भी नंगे पावं अपने पोते के लिए क्यों दौड़ पड़े। आखिर सेवक-सेविकाएं किस काम आयेंगे? बादशाह बीरबल का चेहरा देखने लगे- अब भी आपकी आंखें नहीं खुलीं तो सुनिए - जैसे आपको अपना पोता प्यारा है उसी तरह श्री कृष्णजी को अपने भक्त प्यारे हैं। इसलिए उनकी पुकार पर वे दौड़े चले गये थे। यह सुनकर बादशाह को अपनी भूल का एहसास हुआ।

12 अंतर खोजें

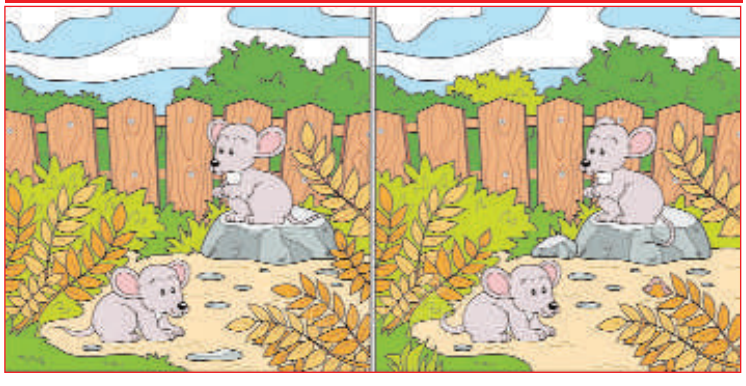

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

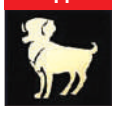

कोई आपका मूड खराब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीजों को खुद को काबू न करने दें. व्यर्थ की चिंताएं और परेशानियां आपके शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं और त्वचा से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकती हैं।

वृषभ

इस राशि वालों के लिए आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। ठप पड़े बिजनेस को नयी दिशा मिल सकती है। इस राशि के जो लोग प्रॉपर्टी का काम करते हैं, उन्हें आज किसी रिलेटिव के माध्यम से बड़ा फायदा हो सकता है।

मिथुन

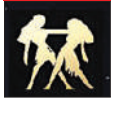

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज आप काफी पैसे बना सकते हैं- लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें. घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।

कर्क

इस राशि वालों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आज ऑफिस के काम से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। इस राशि के युवाओं के लिए सफलता के नए मार्ग खुलेंगे।

सिंह

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। हालांकि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, लेकिन पैसे का लगातार पानी की तरह बहते जाना आपकी योजनाओं में रुकावट पैदा कर सकता है।

कन्या

इस राशि वालों का मनोबल बढेगा। आज आपको जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा, जो लोग एक्टिंग फील्ड से है, उन्हें आज किसी बड़ी फिल्म में काम करने का ऑफर मिल सकता है।

तुला

सेहत अच्छी रहेगी, जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने बर्ताव में उदार बनें और परिवार के साथ प्यार भरे लम्हे गुजारे।

वृश्चिक

इस राशि वाले लोग काम के प्रति उत्साहित रहेंगे। इस राशि के जो लोग स्टील का बिजनेस करते है, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा फायदा देखने को मिल सकता है।

धनु

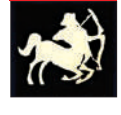

परिवार की भावनाएं आहत कर सकते हैं। अगर मुमकिन हो तो बोलने से पहले दो बार सोचें, क्योंकि आपका कहा आपके खिलाफ जा सकता है और आपके परिवार की प्रतिष्ठा को भी खराब कर सकता है।

मकर

आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज किसी काम से शहर से बाहर जाने का प्लान बन सकता है। इस राशि के लोग कानूनी कार्यों में आज किसी वकील की सलाह ले सकते है, सफलता प्राप्त होगी।

कुम्भ

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं।

मीन

आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपकी कड़ी मेहनत से मुश्किल काम भी आसानी से पूरे हो जाएंगे, जो लोग राजनीति में रूचि रखते हैं, उन्हें आज किसी बड़े पद की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

बेटी की फोटो खींचने पर
मीडिया पर भड़कीं अनुष्का शर्मा

अक्सर देखा जाता है कि पैपराजी बॉलीवुड स्टार्स के बच्चों की पहली झलक को कैमरे में कैद करने के लिए क्रेजी रहते हैं। हालांकि कई स्टार्स अपने बच्चों को मीडिया से दूर रखना पसंद करते हैं। वो न ही खुद बच्चों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं और पैपराजी को से भी ऐसा करने के लिए मना करते हैं। वहीं एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी अपनी बेटी वामिका को मीडिया से दूर रखना पसंद करती हैं। पहली बात तो अनुष्का अपनी बेटी की कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करती हैं और अगर करती हैं तो उसका फेस बिना दिखाए ही शेयर करती हैं, लेकिन इसी बीच वामिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायलर हो रही है। बेटी की तस्वीरें शेयर करने को लेकर अनुष्का ने एक मीडिया हाउस को खरी-खोटी सुनाई है। अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर उस मीडिया हाउस का नाम लिखते हुए उन्हें ऐसा करने पर उनकी जमकर क्लास ली है। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली हाल ही मालदीव से वेकेशन एंजॉय कर वापस लौटे हैं। इस दौरान की तस्वीरें एक मीडिया हाउस ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें वामिका का फेस साफ नजर आ रहा था। इसी बात को लेकर अनुष्का का गुस्सा उस मीडिया हाउस पर फूटा। बाद में जब मीडिया हाउस ने वो फोटो डिलीट कर दी उसके बाद अनुष्का ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अनुष्का शर्मा ने लिखा, मीडिया हाउस को लगता है कि वो माता-पिता से ज्यादा अच्छा जानते हैं कि उनके बच्चे के लिए क्या बेहतर है। क्योंकि कई बार रिक्वेस्ट किए जाने के बाद भी वह फोटो क्लिक कर रहे हैं और पोस्ट कर रहे हैं। दूसरे मीडिया हाउस और पैपराजी से कुछ सीखिए। अनुष्का शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे वक्त के बाद समय के बाद एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार शाहरुख और कटरीना स्टारर फिल्म जीरो में नजर आई थीं। ये फिल्म सुपर फ्लॉप रही थी।

सिनेमाघरों में जल्द धमाल मचाएंगे पुष्पाराज

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की पैन इंडिया फिल्म पुष्पा द राइज ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। सुकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म लोगों को काफी पसंद आई थी। इस फिल्म से अल्लू अर्जुन का किरदार पुष्पाराज इतना हिट हुआ कि देखते ही देखते पुष्पा ने हिंदी पट्टी में 100 करोड़ का बिजनेस कर डाला। वहीं, दुनियाभर में फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। पुष्पा के बाद अब फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पुष्पा के अगले पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अल्लू अर्जुन अगले महीने से फिल्म पुष्पा द रूल की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार निर्देशक सुकुमार ने पुष्पा के सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम पूरा कर लिया है। मेकर्स ने फिल्म का बजट भी सेट कर दिया है और इसकी शूटिंग जुलाई के अंत तक शुरू होने की संभावना है। बता दें कि पूरे देश में पुष्पा - द राइज की भारी सफलता के बाद टीम का मानना था कि इसकी स्क्रिप्ट में कई बदलावों की जरुरत है। यही वजह थी कि निर्देशक सुकुमार पुष्पा - द रूल के लिए कहानी को फिर से लिखने में व्यस्त थे। पुष्पा 2 में अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकार नजर आ सकते हैं। आरआरआर और केजीएफ चैप्टर 2 जैसी दक्षिण भारतीय फिल्मों की बड़ी सफलता के बाद सुकुमार पर दबाव काफी बढ़ गया है।

बॉलीवुड | मन की बात

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ब्रह्मास्त्र का ट्रेलर रिलीज

बड़े इंतजार के बाद साल की मच अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। 2 मिनट 51 सेकेंड के ट्रेलर में ऐसे-ऐसे मोमेंट्स और सीन हैं, जो यकीनन रोंगटे खड़े कर देंगे। ट्रेलर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के वॉइसओवर के साथ होती है। वह कहते हैं जल, वायु, अग्नि.. प्राचीन काल से हमारे बीच कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो अस्त्रों में भरी हुई हैं ये कहानी है इन सारे अस्त्रों के देवता की- ब्रह्मास्त्र। और एक ऐसे नौजवान की, जो इस बात से अनजान है कि वो ब्रहास्त्र की किस्मत का सिकंदर है। ट्रेलर में फैंटेसी सीन और जबरदस्त वीएफक्स हैं जो हॉलिवुड की टक्कर के हैं। फैंस भी इनकी तारीफ कर रहे हैं। ट्रेलर में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की गजब की रोमांटिक केमिस्ट्री भी नजर आ रही है। ब्रह्मास्त्र में अमिताभ बच्चन के अलावा रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अक्किनेनी नागार्जुन और मौनी रॉय हैं। मौनी रॉय जुनून नाम के एक नेगेटिव रोल में हैं। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने पूरी कास्ट का बारी-बारी से फर्स्ट लुक और कैरेक्टर रिलीज किया था। ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। यह 9 सितंबर को रिलीज होगी। ऐसी चर्चा भी है कि शाहरुख खान ब्रह्मास्त्र में एक कैमियो रोल में नजर आएंगे। वह एक वैज्ञानिक के रोल में हैं। हालांकि ट्रेलर में शाहरुख की कहीं भी झलक नहीं दिखाई गई है। ब्रह्मास्त्र के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर गजब का रिस्पॉन्स मिल रहा है। फैंस इसे सबसे बड़ी एपिक फिल्म बता रहे हैं और वीएफएक्स की भी तारीफ कर रहे हैं। ब्रह्मास्त्र एक फैंटेसी फिल्म है, जिसकी अनाउंसमेंट 2014 में की थी। लेकिन किसी न किसी वजह के चलते यह फिल्म डिले होती चली गई। फाइनली 8 साल बाद अब इस फिल्म का पहला पार्ट रिलीज होने के लिए तैयार है। ब्रह्मास्त्र को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया जाएगा। आलिया भट्ट के पास ब्रह्मास्त्र के अलावा दो और फिल्में हैं, जो इसी साल रिलीज होगी।

घर में 100 कॉकरोच पालने के बदले डेढ़ लाख रुपये दे रही है कंपनी!

घर में पाए जाने वाले जानवरों और कीड़े-मकोड़ों में से सबसे ज्यादा घिनौना इनसेक्ट कॉकरोच ही माना जाता है। अक्सर किचन में तबाही मचाने वाले कॉकरोच को शायद ही कोई घर में रखना चाहेगा, लेकिन अमेरिका की एक कंपनी सैकड़ों कॉकरोच पालने के बदले 1.5 लाख रुपये ऑफर कर रही है। ये ऑफर सुनकर ही इंसान का दिमाग झन्ना जाएगा, लेकिन कंपनी के पास अपनी प्लानिंग है। नॉर्थ कैरोलिना बेस्ड पेस्ट कंट्रोल कंपनी दरअसल अपनी नई पेस्ट कंट्रोल दवा पर रिसर्च कर रही है। ऐसे में उसे एक साथ बहुत से कॉकरोच चाहिए, जिन पर वो इसका इस्तेमाल करके देख सके। अब कंपनी देश भर में ऐसे परिवार ढूंढ रही है, जिनके घर में कुछ नहीं तो कम से कम 100 कॉकरोचेज़ का झुंड छोड़ा जा सके। अगर कहीं ऐसा घर मिलता है तो वे इस घर में रहने वाले परिवार को 2000 यानि भारतीय मुद्रा में 1।5 लाख रुपये से ज्यादा रकम देंगे। चूंकि ये कंपनी कीड़े-मकोड़ों को खत्म करने का सॉल्यूशन देती है, ऐसे में वो ऐसी जगह की तलाश में है, जहां वो अपनी सर्विस टेस्ट कर सके। उसे 5 से 7 ऐसे परिवारों की तलाश है, जहां कॉकरोचेज़ ने अड्डा बना रका हो। वो इन कीड़ों पर अपनी खास पेस्ट कंट्रोल तकनीक का इस्तेमाल करेगी। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इस स्टडी के जरिये ये देखा जाएगा कि नया ट्रीटमेंट ढीठ कॉकरोचेज पर कितना असरकारी है। जो भी परिवार अपने घर को कंपनी की रिसर्च के लिए देंगे, कंपनी उनके घर में 100 अमेरिकन कॉकरोच छोड़ेगी और इसकी फिल्म शूट करने की इज़ाजत भी देगी। हां, इस ऑफर के जरिए तो कॉकरोच छोड़ने के बदले परिवार को पैसे मिलेंगे ही, अगर स्टडी पूरी होने के बाद कहीं कोई कॉकरोच बच जाता है, तो कंपनी अपने खर्चे पर पारंपरिक कॉकरोच ट्रीटमेंट के जरिए उन्हें खत्म करेगी। इस रिसर्च में शामिल होने वाला घर कॉन्टिनेंटल यूनाइटेड स्टेट्स में होना चाहिए और उन्हें कंपनी को लिखित में इसकी इजाजत देनी होगी। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक Pest Informer की ओर से इस स्टडी में कुल महीने भर का वक्त लगेगा और ये परिवार और पालतू जानवरों के लिए बिल्कुल सुरक्षित है।

अजब-गजब | कोई नहीं समझ पाया इसका रहस्य

ये है दुनिया का सबसे रहस्यमयी मंदिर जिसमें मूर्तियां करती हैं आपमें बातचीत

हमारे देश आस्था का देश माना जाता है, जहां पर हर धर्म के इंसान रहते है। यहां असंख्य मंदिर और मस्जिद मौजूद हैं। इनमें से कुछ मंदिर ऐसे हैं, जिन्हें रहस्यमयी माना जाता है ऐसा ही एक मंदिर है बिहार में जिसके बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर की मूर्तियां आपस में बातचीत करती है। इस मंदिर का नाम है राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर। इस मंदिर के पास से जो कोई भी गुजरता है उसे ऐसा सुनाई देता है जैसे कि मंदिर के अंदर कोई बुदबुदा रहा है। ये मंदिर बिहार के बक्सर में स्थित है। इस मंदिर को शक्ति पीठ माना जाता है। इस खासियत की वजह से यह मंदिर पूरे देश में प्रसिद्ध है।

बताया जाता है कि इस मंदिर की स्थापना करीब 400 साल पहले की गई थी। जिसके बाद सुनने में आया है कि इस मंदिर का निर्माण भवानी मिश्र नाम के व्यक्ति ने कराया था। इतना ही नहीं इस मंदिर में मिश्र परिवार ही सेवा करता आया है। बता दें कि इस मंदिर में कई सारे देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि यह मूर्तिया रात को आपस में बात करती हैं। रात को इन मूर्तियों की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर में कोई भी मनोकामना मांगने पर पूरी हो जाती है। वहीं इस मंदिर पर तांत्रिकों की अटूट आस्था है। यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती हैं। ऐसा माना जाता है कि मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया था लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए।

यूपी में गर्मी की छुट्टियों के बाद गुलजार हुए स्कूल

स्कूलों में पढ़ाई शुरू, बच्चे दिखे उत्साहित

कक्षा एक से आठ तक के स्कूल 1.30 बजे दोपहर तक होंगे संचालित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय गर्मी की छुट्टियों के बाद आज से खुल गए और बच्चों ने पढ़ाई की। पहली बार ऐसा हुआ है जब जुलाई की जगह जून में सरकारी स्कूल खुले हैं।

डेढ़ लाख से अधिक परिषदीय विद्यालयों में 20 मई से गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं, जो बुधवार को पूरी हो गई हैं और आज से स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो गयी। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव प्रताप सिंह बघेल ने बताया कि कक्षा एक से आठ तक के विद्यालय सुबह 7.30 से 1.30 बजे तक संचालित होंगे। छात्र-छात्राओं की पढ़ाई 7.30 से 12.30 बजे तक चलेगी, वहीं शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों को 1.30 बजे तक स्कूल में रुककर प्रवेश आदि का कार्य करना है। स्कूलों में सुबह प्रार्थना व योगाभ्यास होगा और 10 से 10.15 तक मध्यावकाश रहेगा। वहीं, मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों के संचालन के संबंध में प्रबंध समिति का आदेश मान्य होगा। वहीं

सर्व शिक्षा अभियान के तहत मिशन शक्ति फेज-4 विशेष अभियान चल रहा है। प्राथमिक विद्यालयों में आज से 30 जून तक एक दीवार पर रानी लक्ष्मी बाई, चांद बीबी, सावित्रीबाई फूले, सरोजिनी नायडू, लता मंगेशकर, मदर टेरेसा, सुभद्रा कुमारी चौहान, अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला आदि के चित्र सजाए जाएंगे। स्कूल के बच्चों को महिला रोल मॉडल की जानकारी देने के लिए ये पहल की गई है। सभी जिलों के स्कूलों में एक दीवार सजाई जाएगी।

मदरसों में कान्वेंट की तर्ज पर चलेंगी प्री-प्राइमरी कक्षाएं

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार बड़े मदरसों में जुलाई से प्री-प्राइमरी कक्षाएं चलाने जा रही है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद इसके लिए सिलेबस तैयार कर रहा है। इसे इस तरह तैयार किया जा रहा है ताकि यहां पढने वाले बच्चे भी दूसरे स्कूलों के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। प्रदेश सरकार अनुदानित मदरसों में 25 मदरसों को प्री-प्राइमरी कक्षाओं के मॉडल के रूप में बनाने जा रही है। इनमें स्मार्ट क्लास, एस्ट्रोनामी लैब, ई-बुक बैंक, ई-लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। मदरसा बोर्ड की बुधवार को हुई बैठक में तय किया गया कि प्री-प्राइमरी कक्षाएं चलाने के लिए सिलेबस इस माह के अंत तक हर हाल में तैयार कर लिया जाए। जिन

25 मदरसों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाना है उनके चयन का अधिकार मदरसा बोर्ड ने अपने रजिस्ट्रार को दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष डा. इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा मदरसा छात्र-छात्राओं का सर्वे कराने के अनुरोध को मंजूरी दे दी गई है।

बिजनौर में युवक की गोली मारकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। गांव तिमरपुर निवासी एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव मंडावर थाना क्षेत्र के गांव खुहाहेडी के पास पड़ा मिला है। मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

मंडावर थाना क्षेत्र के गांव खानपुर माधो उर्फ तिमरपुर निवासी 24 वर्षीय सचिन पुत्र मुन्नू सिंह बुधवार दोपहर घर से गायब था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। देर रात उसका शव खुहाहेडी मार्ग पर पड़ा मिला। उसके सीने में गोली लगी थी। जानकारी पर सीओ सिटी कुलदीप गुप्ता, शहर कोतवाल रविंद्र वशिष्ठ और मंडावर एसओ संजय कुमार मौके पर पहुंच गए। जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के पैरों की उंगलियां बुरी तरह घिसी हुई थी। आशंका है कि उसे घसीटा गया है। युवक घर पर ही खेती बाड़ी करता था और अविवाहित था। तीन माह पूर्व क्षेत्र के गांव शादीपुर में हुई हत्या में सचिन का भाई भी जेल गया है। वह जेल में बंद है। एसओ ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उपद्रवियों से नुकसान की होगी वसूली, दावा पेश

नगर निगम, पुलिस और पीएसी ने क्लेम कमिश्नर के समक्ष पेश किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पिछले सप्ताह जुमे की नमाज के बाद अटाला क्षेत्र में जो उपद्रव हुआ, उससे करोड़ों का नुकसान तो हुआ ही कानून व्यवस्था पर भी काफी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। इसके लिए उपद्रवियों से ही नुकसान की भरपाई के लिए क्लेम कमिश्नर (दावा आयुक्त) के समक्ष करोड़ों रुपये के तीन दावे पेश किए गए हैं। नगर निगम, पुलिस और पीएसी ने क्लेम कमिश्नर के समक्ष अपना दावा पेश किया है।

निगम का कहना है कि उपद्रवियों ने स्मार्ट सिटी के तहत चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे तोड़े व केबल को नुकसान पहुंचाया। निगम ने क्लेम कमिश्नर के समक्ष इस नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से कराने का दावा पेश किया है। वहीं पीएसी ने ट्रक फूंकने की भरपाई का दावा पेश किया है। पुलिस की ओर से भी दावा प्रस्तुत किया गया है। दावे में कहा गया है कि कई पुलिस वालों की बाइक तोड़ दी गईं। कई बाइक में आग लगा दी गई। बवाल के बाद जो भी पुलिस, पीएसी, पैरा मिलिट्री के जवान तैनात किए गए हैं, उनका वेतन भी दंगाइयों से वसूल किया जाए। इनकी तैनाती 10 जून से की गई है। जब तक ये तैनात रहेंगे, तब तक का इनका वेतन, भोजन, जलपान पर होने वाले खर्च की भरपाई दंगाइयों से वसूल की जाए। यह धनराशि करोड़ों में है। क्लेम कमिश्नर की ओर से अब अपर आयुक्त तथा सहायक दावा आयुक्त की कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी दावे की पड़ताल करेगी और फिर वसूली की संस्तुति करेगी, जिसके आधार पर जिला प्रशासन नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से करेगा।

बस्ती : सड़क हादसे में परिवार के चार लोगों की मौत, तीन घायल

गंभीर घायलों को लखनऊ किया गया रेफर

गोरखपुर जा रहे थे कार सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई जबकि कार सवार तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक गोरखपुर के रहने वाले थे। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

पुलिस के अनुसार, गोरखपुर के पादरी बाजार के डॉ. ओम नरायन श्रीवास्तव फतेहपुर में रहते हैं। बीती रात वे अपने परिवार के साथ पैतृक आवास गोरखपुर के पादरी बाजार जा रहे थे। देर रात 11:45 पर जैसे ही ये लोग कप्तानगंज थाना इलाके के खजुहा गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे दूसरे वाहन से टकरा गई। हादसे में कार सवार रवि श्रीवास्तव (40), वंदना श्रीवास्तव

(70), रतन श्रीवास्तव (35) और कार चालक की दर्दनाक मौत हो गई जबकि कार में पीछे बैठे डॉ. ओम नारायण (78) और प्रणव श्रीवास्तव (14), वैष्णवी (8) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग कार में फंस गए। सभी को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। तीन एम्बुलेंस से मृतकों के शव समेत घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। मृतको में रवि श्रीवास्तव और रतन श्रीवास्तव पति-पत्नी बताए जा रहे है जबकि वंदना श्रीवास्तव रवि की मां बताई जा रही हैं। कार चालक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। कप्तानगंज के प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र कुंवर ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है।

तो बीजेपी के लिए खतरा बन गए हैं राहुल!

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जब से ईडी ने पूछताछ शुरू की है तब से पार्टी के बड़े नेता उनके समर्थन पर सड़क पर उतर आए हैं। लंबे समय बाद पार्टी की एकता देखने को मिली है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि ईडी से कांग्रेस का पंगा पार्टी को फायदा पहुंचाएगा या नुकसान? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, डॉ. राकेश पाठक, नावेद शिकोह, डॉ. उत्कर्ष सिन्हा, कांग्रेस प्रवक्ता शुचि विश्वास और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा, क्या ईडी ने ये कहा था कि 2014 में समझौता करके यूपी का नाश कर दो, क्या ईडी ने कहा था कि जोकर सिद्धू को पंजाब में ले आओ, सरकार का नाश कर दो। यूपी चुनाव में इतनी बुरी हार के बाद भी अध्यक्ष तक नहीं तलाश पाए। सच ये है कि कांग्रेस अपना नुकसान कर रही है। नावेद शिकोह ने कहा प्रदर्शन करना अधिकार है अगर किसी दल को लगता है कि कोई परेशान कर रहा तो प्रदर्शन कर सकता है। राहुल गांधी बड़े नेता है, उनके पक्ष में कांग्रेसी प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रियंका कुछ खास कर नहीं पा रही है इससे भी कांग्रेस खराब स्थिति में है। सिर फुटौव्वल मचा है कांग्रेस में।

उत्कर्ष सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी ने आरएसएस व भाजपा पर जो डायरेक्ट अटैक शुरू किया, उससे बीजेपी को अंदाजा हो गया कि राहुल उनके लिए खतरा है इसलिए अब उनको सीधा टारगेट किया जा रहा है। शुचि विश्वास ने कहा ये नेहरू और पटेल वाली कांग्रेस है, जिससे लड़ रहे वो हैं सावरकर वाली भाजपा। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि पूछताछ के लिए बुलाया गया तो इसमें गलत कुछ भी नहीं है। सवा सौ साल में कई बार ऐसा हुआ कि कांग्रेस रसातल में गई मगर वह फिर उठ खड़ी हुई।

राहुल गांधी की पूछताछ के खिलाफ प्रदर्शन से पहले प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के बड़े नेता हाउस अरेस्ट

लखनऊ में राजभवन घेराव का किया था ऐलान, पुलिस से धक्का-मुक्की, कई कार्यकर्ता हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केरल के वायनाड़ से लोकसभा के सदस्य राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन भेजे जाने और उनसे पूछताछ का विरोध उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। लखनऊ में गुरुवार को कांग्रेस के बड़े नेताओं ने राजभवन घेराव की योजना तैयार की थी। उनके घेराव करने से पहले ही इन सभी को हाउस अरेस्ट किया गया है।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश राजभवन का घेराव करने से पहले ही प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं को नजरबंद किया गया है। लखनऊ पुलिस ने कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी और मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत कई नेताओं को नजरबंद किया है। पूर्व राज्यसभा सदस्य पीएल पुनिया को भी उनके घर में ही पुलिस के घेरे में रखा गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से समन भेजे जाने के विरोध में आज राजभवन के घेराव का ऐलान किया था। कांग्रेस विधायक दल की नेता अपनी पुत्री अराधना मिश्रा उर्फ मोना के सरकारी आवास में प्रमोद तिवारी को नजरबंद किया गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से बीते दो दिन से नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने करीब 23 घंटों तक पूछताछ की है। राहुल ने ईडी से इस मामले में जल्दी पूछताछ पूरी करने की मांग की थी, लेकिन उन्हें बुधवार को दोबारा समन किया गया था। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष से पहले दिन करीब नौ घंटों की पूछताछ के दौरान बैंक खातों, विदेशों में संपत्ति से जुड़े सवाल किए गए थे। दूसरे दिन अधिकारियों ने लगभग 10 घंटों तक सवाल पूछे। बताया जा रहा है कि उस दौरान भी राहुल निजी बैंक खातों को लेकर ठीक तरह से जवाब नहीं दे सके थे।

बुलडोजर एक्शन पर योगी सरकार को सुप्रीम नोटिस, मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में हिंसा के आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार से तीन दिनों में जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब अगले हफ्ते सुनवाई होगी।

सुप्रीमकोर्ट ने यूपी सरकार से कहा कि कोई भी तोड़फोड़ की कार्यवाही कानूनी प्रक्रिया से हो। कोर्ट ने कहा कि ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि ये बदले की कार्रवाई है। अब ये कितनी सही है, हमें नहीं मालूम। ये रिपोर्ट्स सही भी हो सकती हैं और गलत भी। अगर इस तरह के विध्वंस किए जाते हैं तो कम से कम जो कुछ किया जा रहा है, वह कानून की प्रक्रिया के अनुसार होना चाहिए। कोर्ट की ओर से की गई इस टिप्पणी पर योगी सरकार की ओर से तुषार मेहता ने कहा कि क्या अदालत प्रक्रिया का पालन करने वाले निर्देश जारी कर सकती है? इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं। आप तीन दिनों में जवाब दाखिल करें। आप सुनिश्चित करें कि इस दौरान कुछ भी अनहोनी न हो। बता दें कि जमीयत उलेमा ए हिंद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए कहा कोर्ट यूपी सरकार को निर्देश दे कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना आगे कोई विध्वंस नहीं किया जाए। इससे पहले योगी सरकार की ओर से सीनियर वकील हरीश साल्वे ने पक्ष रखा।

यूपी में जो हो रहा है, वो असंवैधानिक : जमीयत

जमीयत की ओर से वकील सीयू सिंह ने जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कोर्ट तुरंत कार्रवाई पर रोक लगाए। वकील ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट के मुताबिक बिना बिल्डिंग मालिक को अपनी बात रखने का मौका दिए कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है। इस पर जस्टिस बोपन्ना ने कहा कि नोटिस जरूरी होता है, हमें इसकी जानकारी है। उन्होंने कहा यूपी अर्बन प्लानिंग एंड डिवेलपमेंट एक्ट, 1973 के मुताबिक भी बिल्डिंग मालिक को 15 दिन का नोटिस और अपील दायर करने के लिए 30 दिन का वक्त देना जरूरी है। सिंह ने कहा कि 15 दिनों से 40 दिनों तक का समय देने की बात नियम में कही गई है, जिसमें कम से कम 15 दिनों तक किसी भी कार्रवाई करने से पहले इंतजार करना होता है। सिंह ने कहा कि यूपी में जो हो रहा है, वो असंवैधानिक है, एक खास समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। लोगों को सुनवाई करने और अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।